Roll No. .....

E–3093(S)

B. A. (Part I)
Suppl. EXAMINATION, 2021

(New Course)

HINDI LITERATURE

Paper First

(प्राचीन हिन्दी काव्य)

Time : Three Hours] [*Maximum Marks : 75*

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 21

(क) मूवाँ पीछे जिनि मिलै, कहै कबीरा राम।
पाथर घाटा लोह सब, तब पारस कौणे काम॥

यहु तन जालौं मसि करूँ ज्यू धूवाँ जाइ सरग्गि।
मति वै राम दया करैं, बरसि बुझावै अग्गि॥

अथवा

चैत बसंता होइ धमारी। मोहि लेखै संसार उजारी॥
पंचम विरह पंच सर मारै। रकत रोइ सगरौं बन ढारै॥
बूड़ि उठे सब तरिवर पाता। भीजि मजीठ टेसु बन राता॥
बौरे आम फरैं अब लागै। अबहुँ आउ घर, कंत सभागे॥
सहस भाव फूलीं बनसपती। मधुकर घूमहि संवरि मालती॥

P. T. O.

(ख) जोग ठगौरी ब्रज न बिकैहैं।
यह व्योपार तिहारो उधो! ऐसोई फिर जैहै॥
जा पै लै आए हौ मधुकर ताके उर न समैहै।
दाख छाँड़ि के कटुक निबौरी को अपने मुख खैहै॥
मूरी के पातन के केना को मुक्ताहल देहै।
सूरदास प्रभु गुनहि छाँड़ि कै को निर्गुन निरबैहै॥

अथवा

सुनहु पवनसुत रहनि हमारी। जिमि दसनन्हि महुँ जीभ बिचारी॥
तात कबहुँ मोहि जानि अनाथा। करिहहिं कृपा भानुकुल नाथा॥
तामस तनु कछु साधन नाहीं। प्रीति न पद सरोज मन माहीं॥
अब मोहि भा भरोस हनुमंता। बिनु हरिकृपा मिलहिं नहिं संता॥

(ग) भोर तें साँझ लौं कानन ओर निहारति बावरी नेकु न हारति।
साँझ ते भोर लौं तारनि ताकिबो तारनि सों इकतार न टारति।
जौ कहूँ भावतो डीठि परै घनआनंद आँसुनि औसर गारति।
मोहन-सोहन जोहन की लगियै रहै आँखिन के उर आरति॥

अथवा

पहिले घनआनंद सींचि सुजान कहीं बतियाँ अति प्यार-पगी।
अब लाय बियोग की लाय, बलाय बढ़ाय बिसास-दगानि दगी।
अँखियाँ दुखियानि कुबानि परी; न कहुँ लगै, कौन घरी सु लगी।
मति दौरि थकी न लहै ठिक ठौर, अमोहि के मोह-मिठास ठगी॥

2. कबीर के समाज सुधारक व्यक्तित्व पर प्रकाश डालिए। 12

अथवा

"जायसी का वियोग-वर्णन अत्यन्त मार्मिक, मानवीय और सजीव है।" इस कथन को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

3. सूरदास के काव्य-सौष्ठव पर प्रकाश डालिए। 12

अथवा

तुलसीदास की भक्ति-भावना को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'घनानंद प्रेम की पीर के गायक हैं।' सोदाहरण समझाइये।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच पर टिप्पणियाँ लिखिए : 15

(i) विद्यापति के काव्य में गीतात्मकता

(ii) रहीम के काव्य में नीति तत्व

(iii) रसखान की भक्ति-भावना

(iv) कृष्ण भक्ति काव्य

(v) रामभक्ति काव्य

(vi) रीतिकाव्य

(vii) निर्गुण भक्ति काव्य

5. निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए (कोई पन्द्रह) : 15

(i) कबीरदास के गुरु कौन थे ?

(ii) वात्सल्य रस सम्राट किस कवि को कहा जाता है ?

(iii) मैथिल कोकिल किस कवि को कहा जाता है ?

(iv) रहीम का पूरा नाम क्या है ?

(v) 'बीजक' किस कवि की रचना है ?

(vi) जायसी का काव्य किस भाषा में लिखा गया है ?

(vii) स्वच्छन्द काव्यधारा के कवि का नाम लिखिए।

(viii) भक्तिकाल को अन्य किस नाम से जाना जाता है ?

(ix) समन्वयवादी कवि किसे माना गया है ?

(x) आपके पाठ्यक्रम में रामचरितमानस का कौन-सा कांड संकलित है ?

(xi) किस कवि के दोहे सूक्तियों के कारण प्रसिद्ध हैं ?

(xii) 'सवैया' के लिए प्रसिद्ध कवि का नाम लिखिए।

(xiii) 'कीर्तिलता' किस कवि की रचना है ?

(xiv) हिन्दी साहित्य का स्वर्णयुग किस काल को माना जाता है ?

(xv) कबीर के 'साखी' शब्द का क्या अर्थ है ?

(xvi) जायसी द्वारा रचित महाकाव्य का नाम लिखिए।

(xvii) 'सुजान' का उल्लेख किस कवि ने बार-बार किया है ?